क्या मुझे हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) होने का खतरा है?

यह क्या है?

हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) एक ऐसा वायरस है जो यकृत को संक्रमित करता है और इसके कारण गंभीर रूप से यकृत पात हो सकता है| यकृत एक महत्वपूर्ण अवयव है और वह खाने एवं हानिकारक कैमिकलों का रसायनिक परिवर्तन करने, आवश्यक प्रोटीन बनाने और आवश्यक विटामिन, खनिज, आयरन (लोह) और शर्करा को संचित करने के लिए जिम्मेदार है|

यह कितना आम है?

किसी भी समय दुनिया में लगभग 350 मिलियन लोग हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) द्वारा संक्रमित हैं|
प्रति वर्ष इंग्लैंड एवं वेल्ज में लगभग 600 से 800 नए मामले रिपोर्ट किए जाते हैं, जिसमें से प्रति वर्ष केवल वेल्ज में ही 50 से 60 मामले रिपोर्ट किए जाते हैं| कुछ दूसरे देशों की तुलना में रिपोर्ट किए जाने वाले मामलों की संख्या कम है परंतु बहुत सारे लोगों को शायद यह रोग होगा परंतु उन्हें उसके बारे में पता ही ना हो|

इसके लक्षण क्या हैं?

हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) संक्रमण से ग्रस्त बहुत सारे लोगों को यह पता ही नहीं होता कि वे संक्रमित हैं क्योंकि इसके किसी भी लक्षण का अनुभव नहीं करते| अन्य लोग शायद पहली बार संक्रमित होने के पश्चात विभिन्न प्रकार के लक्षणों का अनुभव करें| इनमें शायद, फ्लू जैसी बीमारी, अत्यधिक थकावट, भूख का कम होना, त्वचा एवं आंखों का पीला पड़ना (पीलिया), एवं/अथवा गाढ़े रंग का पेशाब शामिल हैं|
संक्रमण से ग्रस्त कोई भी व्यक्ति दूसरों को यह बीमारी दे सकता है, चाहे उनमें कोई भी लक्षण न हो अथवा उन्हें पता ही न हो कि वे संक्रमित हैं| साधारणतः रक्त जांच के द्वारा हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) संक्रमण का पता लगाया जाता है|

हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) के बारे में कुछ और जानकारी

प्रौढ़ता में संक्रमित अधिकांश लोग इस संक्रमण से पूर्ण रूप से ठीक हो जाते हैं| यद्यपि, प्रति 100 संक्रमित व्यक्तियों में से :

- 1 व्यक्ति को शायद संक्रमण होने के थोड़े ही समय बाद तीव्र यकृत पात हो; और
- लगभग 5 लोगों को आगे चल कर दीर्घ कालिक संक्रमण होगा – वे वाहक बनेंगे जो दूसरों को यह संक्रमण दे सकते हैं| इन वाहकों में से शायद 1 वाहक के जीवन में बाद में गंभीर रूप से यकृत की बीमारी विकसित होगी|

हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) द्वारा संक्रमित बच्चों और शिशुओं में इस वायरस का वाहक बनने की अधिक संभावना है परंतु प्रौढ़ व्यक्तियों की तुलना में इस बात की अल्प संभावना है कि वे संक्रमण के तुरंत बाद ही लक्षण दिखाएंगे| प्रायः संक्रमित बच्चा अपने पूर्ण जीवन काल में वायरस को वहन करेगा एवं इस बात की अधिक संभावना है कि दीर्घ काल में उसमें गंभीर यकृत का रोग उत्पन्न होगा|
अभी तक हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) के लिए कोई इलाज उपलब्ध नहीं हैं परंतु कुछ चिकित्साएं हैं जो यकृत के विकार को अधिक बिगड़ने और वायरस को बढ़ने से रोकने में मदद कर सकती हैं| एक व्यक्ति से लेकर दूसरे व्यक्ति के बीच इस चिकित्सा की प्रभाविकता भिन्न होगी|

अन्य प्रकार के रोगजनक हैपेटाइटिस (यकृत शोथ) भी हैं, जैसे कि हैपेटाइटिस ए (यकृत शोथ ए) और हैपेटाइटिस सी (यकृत शोथ सी) एवं वे हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) से अलग हैं|

लोग किस प्रकार संक्रमित होते हैं?

हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) के वायरस संक्रमित व्यक्ति के रक्त एवं शरीर के कुछ अन्य तरल पदार्थों में उपस्थित होते हैं| यह बहुत ही संक्रामक हैं| एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक संक्रमण के फैलने के मुख्य तरीके निम्नलिखित हैं:

- बिना कोंडोम का प्रयोग किए किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ संभोग करना (महिला/पुरुष और पुरुष/पुरुष संभोग)| यह इसलिए एक खतरा है क्योंकि शरीर के तरल पदार्थ में यह वायरस उपस्थित हो सकता है;
- एक संक्रमित मां से उसके बच्चे तक;
- नशीले पदार्थों को इंजेक्ट करने के उपकरणों को आपस में बांट कर प्रयोग करने से (इसमें सुई, सिरींज, चम्मचें, पानी और फिल्टर शामिल हैं);
- दांत के ब्रश, उस्तरा और त्वचा पर गोदने और शरीर में छेद करने के उपकरणों को आपस में बांट कर प्रयोग करने से यदि उनको सही तरह से साफ न किया गया हो; अथवा
- रक्त से रक्त का संपर्क होने पर (उदाहरण के लिए दूषित रक्त अथवा रक्त के उत्पाद प्राप्त करना)|

किसे खतरा है?

निम्नलिखित समूह के लोगों को शायद हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) होने का अधिक खतरा है:

- संक्रामित मांओं के शिशुओं को;
- किसी संक्रमित व्यक्ति का संगी, बच्चा या घर का सदस्य;
- उन नौकरियों में काम करने वाले व्यक्ति जिन्हें शायद संक्रमित शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क में आना पड़े, उदाहरण के लिए, डॉक्टर, नर्स, दंतचिकित्सक, कारागार के अफसर अथवा पुलिसवाले;
- ऐसे कोई भी व्यक्ति जो बहुत ही अक्सर अपने यौन संगी को बदलते हैं, विशेष रूप से यदि वे हमेशा कोंडोम का प्रयोग न करते हों; अथवा
- ऐसा कोई व्यक्ति जो नशीले पदार्थ इंजेक्ट करता हो और इंजेक्ट करने का उपकरण बांटता हो|

यदि आपको लगता है कि आप, या आपके परिवार में किसी व्यक्ति को वर्द्धित खतरा है तो आपको अवश्य इसके बारे में अपने डॉक्टर, प्रैक्टिस नर्स अथवा जेनीटो-यूरिनरी मेडिसिन (जीयूएम) (जननमूत्रांगी औषधि) क्लिनिक के साथ विचार विमर्श करना चाहिए|

यदि आप किसी ऐसे देश में जा रहे हैं जहां हैपेटाइटिस बी (यकृत शोथ बी) आम है तो आपको भी शायद वर्द्धित खतरा हो| आप अपने जीपी, प्रैक्टिस नर्स या ट्रैवल क्लिनिक के साथ टीके की आवश्यकता के बारे में विचार विमर्श कर सकते हैं एवं वे आपको टीके के बारे में परामर्श दे सकेंगे और यह भी बता पाएंगे कि विदेश यात्रा करने के समय कौनसी चीजों से परहेज करना चाहिए|

क्या मुझे हैपेटाइटिस बी संक्रमण से सुरक्षा मिल सकती है?

हां| एक बहुत ही प्रभावशाली टीका उपलब्ध है| यदि आपको लगता है कि आपको हैपेटाइटिस बी होने का वर्द्धित खतरा है तो अपने जी.पी, प्रैक्टिस नर्स या स्थानीय जीयूएम क्लिनिक के साथ बात करें| वे आपको यह निर्णय लेने में मदद करेंगे कि आपको टीके की आवश्यकता है या नहीं और वे आपको अपने खतरों को कम करने के बारे में भी परामर्श देंगे|

हैपेटाइटिस बी टीका क्या है?

हैपेटाइटिस बी टीके को साधारणतः 3 इंजेक्शनों के कोर्स में दिया जाता है| यह टीका बहुत ही सुरक्षित है और विश्वभर में इसे शिशुओं के नित्य असंक्रमीकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाता है| यह आवश्यक है कि अधिकतम सुरक्षा के लिए आप पूरे कोर्स को पूरा करें| यदि आपको लगता है कि आपको हैपेटाइटिस बी होने का वर्द्धित खतरा है तो अपने जीपी या प्रैक्टिस नर्स से बात करें| वैकल्पिक रूप से गोपनीय, बेनाम परामर्श और परीक्षण के लिए अपने स्थानीय जीयूएम क्लिनिक से बात करें|

मुझे अधिक जानकारी कहां से मिल सकती है?

आप 0845 46 47 पर एनऐचएस डायरेक्ट वेल्ज को कॉल कर सकते हैं
अथवा
निम्नलिखित पर पब्लिक हेल्थ वेल्ज की वेबसाइट देखें:

www.publichealthwales.wales.nhs.uk/

अथवा निम्नलिखित से:

The British Liver Trust

2 Southampton Road, Ringwood, BH24 1HY

मुफ्त हेल्पलाइन: 0800 652 7330

साधारण पूछताछ: 01425 481320

फैक्स: 01425 481335

ई-मेल: info@britishlivertrust.org.uk

www.britishlivertrust.org.uk

© Crown Copyright 2010 E749